पाठ 12: भदंत आनंद कौसल्यायन (संस्कृति)

प्रश्न 1: लेखक की दृष्टि में 'सभ्यता' और 'संस्कृति' की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है?

RBSE 2020

लेखक के अनुसार, 'सभ्यता' और 'संस्कृति' दोनों शब्द अक्सर एक साथ या एक-दूसरे के पर्याय (Synonyms) के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। कभी-कभी इनके आगे 'भौतिक' और 'आध्यात्मिक' जैसे विशेषण लगा दिए जाते हैं, जिससे इनका अर्थ और भी उलझ जाता है। लोग यह अंतर नहीं समझ पाते कि एक चीज़ 'कारण' है और दूसरी उसका 'परिणाम'। इसी भ्रांति के कारण इन दोनों शब्दों की सही समझ आज तक नहीं बन पाई है।

प्रश्न 2: आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे?

RBSE 2022

RBSE 2026

आग की खोज मानव इतिहास की सबसे बड़ी खोज मानी जाती है क्योंकि इससे मनुष्य के जीवन में एक बहुत बड़ा बदलाव आया। आग से मनुष्य ने भोजन पकाना और अँधेरे में प्रकाश करना सीखा।

प्रेरणा का स्रोत: इस खोज के पीछे मुख्य प्रेरणा 'पेट की आग' (भूख) को शांत करना रहा होगा। कच्चा मांस खाने के बजाय उसे भूनकर स्वादिष्ट बनाने की इच्छा और ठंड से बचने की आवश्यकता ने मनुष्य को आग खोजने के लिए प्रेरित किया होगा।

प्रश्न 3: 'वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है?' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

RBSE 2024

Most Important

वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत' (Cultured) व्यक्ति वह है जो अपनी बुद्धि, विचार और योग्यता के बल पर **किसी नई और उपयोगी वस्तु का आविष्कार करता है**। वह केवल दूसरों की बनाई चीज़ों का उपभोग नहीं करता, बल्कि समाज के कल्याण के लिए कुछ नया खोजता है। जिस व्यक्ति में जितनी अधिक निस्वार्थ भावना, योग्यता और आविष्कार करने की क्षमता होती है, वह व्यक्ति उतना ही अधिक संस्कृत माना जाता है।

प्रश्न 4: न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे लेखक के क्या तर्क हैं? न्यूटन के सिद्धांतों को जानने वाले आज के छात्रों को क्या कहा जाएगा?

RBSE 2023

RBSE 2025

लेखक के अनुसार न्यूटन एक 'संस्कृत मानव' (Cultured human) था, क्योंकि उसने अपनी बुद्धि से गुरुत्वाकर्षण (Gravity) के सिद्धांत का नया आविष्कार किया था। उसने समाज को एक नई जानकारी दी।

आज के विज्ञान के छात्र न्यूटन के सिद्धांतों को जानते हैं और वे शायद न्यूटन से भी अधिक बातें जानते हों, लेकिन उन्होंने इसका **आविष्कार नहीं किया**। इसलिए आज के छात्रों को **'सभ्य' (Civilized)** तो कहा जा सकता है, परन्तु 'संस्कृत' नहीं कहा जा सकता।

© 2026 schorbit.com. All rights reserved.
Prepared exclusively for Schorbit Students